<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

इरेडा अपने अभिनव वित्तपोषण और सलाहकार पेशकशों के माध्यम से भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र का समर्थन करने के लिए तैयार

केवड़िया (गुजरात), 29 जून 2024

आज गुजरात के एकता नगर, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में 61वें राष्ट्रीय लागत और प्रबंधन लेखाकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए, इरेडा के सीएमडी, श्री प्रदीप कुमार दास ने भारत में नवीकरणीय ऊर्जा के विकास का समर्थन करने के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित किया, जोकि पर्याप्त उद्योग विशेषज्ञता और कॉर्पोरेट प्रशासन के प्रति समर्पित ध्यान केन्द्रित करने के माध्यम से समर्थित है, जिसमें 19 दिनों के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 24 के वार्षिक लेखा परीक्षित वित्तीय परिणामों का प्रकाशन शामिल है – जोकि भारत के बैंकिंग और वित्तीय सेवा क्षेत्र में सबसे शीघ्र है और 84 दिनों के अंतर्गत वार्षिक आम बैठक आयोजित करना शामिल है ।

श्री दास ने भारत में बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों (जैसे विद्युत , सड़क, बंदरगाह, आदि) में बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता पर बल दिया, जोकि राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा पाइपलाइन के अनुसार वित्तीय वर्ष 24 से वित्तीय वर्ष 30 के बीच कुल 220-260 लाख करोड़ रुपये की जरूरत है। इसमें से, अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश वर्ष 2030 तक ~ 30 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जिससे इरेडा जैसे हरित वित्तपोषण संस्थानों के लिए 22 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का ऋण बाजार खुल जाएगा।

'ग्रीन कंसल्टिंग' विषय पर चर्चा करते हुए, श्री दास ने अपने सलाहकारी समर्थन और परामर्शी सेवाओं के माध्यम से अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में तकनीकी एकीकरण, परिचालन उत्कृष्टता और नीति संरेखण को और आगे बढ़ाने के लिए इरेडा की प्रतिबद्धता के बारे में बात की। सीईईडब्ल्यू के अनुसार भारत का ग्रीन कंसल्टिंग बाजार मौजूदा समय में 2,000-2,500 करोड़ रुपये है, जिसके वर्ष 2030 तक 14,000-16,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की आशा है, क्योंकि आरई परियोजना सलाहकारी, प्रभाव आकलन और ईएसजी रिपोर्टिंग सेवाओं की मजबूत मांग है।